TITLE CODE : UPMUL00792

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

लोक पहल

शाहजहाँपुर, शुक्रवार 14 अप्रैल 2023 | शाहजहाँपुर से प्रकाशित | वर्ष :2, अंक :08 पृष्ठ :8, मूल्य 2 रुपये

संक्षेप

उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री से मिले स्वामी चिन्मयानन्द

शाहजहांपुर। पूर्व केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री व मुमुक्षु शिक्षा संकुल के मुख्य अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानन्द सरस्वती ने उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान दोनो नेताओं ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के साथ ही हरिद्वार और उत्तराखण्ड के सम्पूर्ण विकास को लेकर गहन मंथन किया।

बसपा ने निकाय चुनाव वैलेट पेपर से कराये जाने की मांग की

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बैलट पेपर के जरिए निकाय चुनाव कराने की मांग रखी है। लखनऊ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मायावती ने कहा कि श्बहुजन समाज पार्टी (बसपा) नगर निकाय चुनावों की घोषणा का स्वागत करती है। हमारी सरकार और संबंधित अधिकारियों से अपील है कि वह चुनाव ईवीएम से न कराकर बैलट पेपर से कराएं। बसपा ने इन चुनावों को पूरी तैयार और दमदारी से लड़ेगी।

क्या आप परेशान?

क्या आप भी जीवन के उतार चढ़ाव, मानसिक तनाव, बच्चों की परवरिश, आर्थिक परेशानी, रिश्तों में आ रहें भावनात्मक परिवर्तन से जूझ रहे हैं? यदि हां तो हमें बताइए हम अपने समाचार पत्र के माध्यम से आपके जीवन शैली से जुड़ी समस्याओं पर अनुभवी परामर्शदाता की सहायता से आपको परामर्श प्राप्त कराएंगे।

अब से हाजिर है हमारे समाचार पत्र का एक कालम आपकी समस्याओं के समाधान हेतु-चूके नहीं, तुरंत कलम उठाइए और अपनी परेशानी हमें लिख भेजिए या वाट्सऐप करें: 7000570023

कार्यालय पता-लोक पहल, मुमुक्षु आश्रम बरेली मोड़, शाहजहांपुर-242 001 (उ.प्र.)

भ्रष्टाचार पर योगी का वार, दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के निर्देश

लोक पहल

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस की नीति पर काम कर रहे हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार में संलिप्त लोगों के खिलाफ जांच कर कठोरतम कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने राज्य विशेष अनुसंधान दल एवं सतर्कता अधिष्ठान को निर्देश दिए कि लंबित विवेचनाओं को समयबद्ध ढंग से गुणवत्ता व गोपनीयता के साथ पूरा किया जाए। सीएम ने कहा कि सतर्कता अधिष्ठान प्रत्येक माह मुख्यमंत्री कार्यालय को इनकी प्रगति से अवगत कराए।

मुख्यमंत्री योगी अपने आवास पर पुलिस विभाग के साइबर क्राइम, सतर्कता अधिष्ठान एवं राज्य विशेष अनुसंधान दल के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। सीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार पर लगातार वार कर रही है। साइबर अपराध पर नियंत्रण के लिए जोन एवं जिला स्तर पर गठित की गई साइबर सेल का प्रभावी उपयोग किया जाए।

सीएम ने कहा कि साइबर हेल्प डेस्क की मदद से साइबर अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई की जाए। केंद्र सरकार के मंत्रालय के साथ

समन्वय स्थापित करते हुए विभिन्न पोर्टल साइट्रेन व सीसीपीडब्ल्यूसी आदि का उपयोग किया जाए। इनके प्रभावी उपयोग के लिए पुलिस विभाग के कर्मचारियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण की गति को तेज किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि साइबर अपराधों एवं उनसे बचाव के तरीकों के प्रति लोगों को जागरूक किया जाए।

योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति पर लगातार काम कर रही है। जांच एजेंसियों के कर्मचारियों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान से दक्ष किया जाए तथा उनके इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं लॉजिस्टिक्स की जरूरतों को पूरा किया जाए।

किसानों के साथ सिर्फ धोखा कर रही है भाजपा सरकार: अखिलेश यादव

लोक पहल

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में किसानों की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इस सरकार में किसानों को सिर्फ धोखा मिल रहा है। बेमौसम बरसात ओर ओलावृष्टि से प्रदेशभर में गेंहू, सरसों, चना समेत अन्य फसलों का भारी नुकसान हुआ। गेंहू की पैदावार घटी है। गुणवत्ता भी प्रभावित हुई है, जिससे गेंहू खरीद में मुश्किल आ रही है। सरकार ने अभी तक बदले हालात में गेंहू खरीद को लेकर कोई दिशा–निर्देश जारी नहीं किया है। सपा अध्यक्ष ने जारी एक बयान में कहा कि बारिश, ओलावृष्टि और फसल नष्ट होने का सदमा किसान बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। सिर्फ बुंदेलखंड के जिलों में आधा दर्जन से ज्यादा किसान आत्महत्या कर चुके हैं। ऐसे में इन परिवारों को तत्काल मुआवजा मिलना चाहिए। उन्होंने मांग की कि सरकार गन्ना किसानों का पूरा भुगतान कराए। आलू किसानों को उनकी फसल की सही कीमत दिलाए।

अखिलेश ने कानून व्यवस्था के मुद्दे पर भी भाजपा सरकार को घेरा। कहा कि हर दिन किसी न किसी जिले में हत्या, लूट जैसी घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि भाजपा गुंडों माफियाओं को संरक्षण देने वाली पार्टी है।

प्रदेशवासियों को महंगाई का 'करंट'

बिजली दरों में 30 प्रतिशत बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव

लोक पहल

लखनऊ। प्रदेशवासियों को जल्द ही महंगाई का करंट लगने वाला है। सरकार बिजली की दरों में भारी बढ़ोत्तरी करने की तैयारी में है। विद्युत वितरण निगम की ओर से इस वर्ष बिजली दर में औसतन 15.85 प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया गया है। इसमें 100 यूनिट वाले उपभोक्ताओं की दर में करीब 30 फीसदी बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। इन प्रस्तावों पर उपभोक्ताओं का पक्ष जानने के लिए 21 अप्रैल को लखनऊ में सुनवाई होगी।

निगम की ओर से दी गई प्रस्तावित दरों को लेकर व्यापक तौर पर विरोध हो रहा है। लखनऊ में भी दरों में बढ़ोतरी को लेकर विरोध की तैयारी शुरू हो गई है। क्योंकि विद्युत उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर करीब 25133 करोड़ का बकाया चल रहा है। ऐसे में पहले इस धनराशि को बिल में समायोजित करने की मांग की जा रही है।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि बिजली दरों में बढ़ोतरी के सबंध में दिए गए प्रस्ताव गलत है। ग्रामीण क्षेत्र में घरेलू विद्युत उपभोक्ता जो बीपीएल के अलावा करीब 100 यूनिट बिजली खर्च करते हैं, उन्हें 3.35 रुपया प्रति यूनिट बिजली मिलती थी। अब इसे 4.35 रुपया प्रति यूनिट किया गया है। यह करीब 30 फीसदी बढ़ोतरी है। बिजली कंपनियों ने जल्दबाजी में व्यापक बिजली दर बढ़ोतरी प्रस्तावित की है। यही वजह है कि उपभोक्ता की पहले से जमा राशि का कहीं जिक्र नहीं किया जा रहा है। इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कहीं बहे 'आंसू' तो कोई बना 'अंगारा'

कर्नाटक भाजपा में टिकट बंटवारे के बाद बगावत के सुर

बेंगलुरु एजेंसी। कर्नाटक विधानसभा चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। सत्ताधारी दल भाजपा ने टिकट को लेकर भारी मारामारी दिखाई दे रही है। पार्टी ने कई दिग्गज नेताओं के टिकट काटकर आफत मोल ले ली है। मौजूदा विधायकों के टिकट कटने से वे बगावत पर उतर आए है। यहां तक कि कुछ मंत्रियों के टिकट भी काट दिये गये है। जिसके चलते जहां कुछ विधायकों की आंखों से आंसू निकल पड़े तो वहीं मंत्री अंगारा भी टिकट कटने से लालताल दिखाई दिये। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने कई मौजूदा विधायकों का टिकट काट दिया है। बीजेपी ने जैसे ही उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की तो नाम न होने से मंत्री अंगारा भी भड़क पड़े। कर्नाटक सरकार में मंत्री और दक्षिण कन्नड़ जिले के सुलिया क्षेत्र से छह बार विधायक रह चुके एस अंगारा ने राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। इससे पहले हिजाब विवाद के बीच चर्चा में रहे विधायक रघुपति भट टिकट कट जाने के बाद रो पड़े थे। कई विधायकों के लिस्ट में नाम न होने पर

बगावती तेवर सामने आ चुके हैं। इससे पहले पूर्व सीएम जगदीश शेट्टार का नाम भी उम्मीदवारों की लिस्ट से गायब मिला था।

टिकट कटने को लेकर बीजेपी नेता अंगारा ने कहा कि समर्पण के साथ मेहनत करने वाले किसी विधायक के साथ ऐसा व्यवहार उचित नहीं है। टिकट नहीं मिलने से दुखी दिख रहे पत्तन एवं अंतरदेशीय परिवहन मंत्री ने कहा, श्मैं पार्टी के टिकट बंटवारे से असंतुष्ट नहीं हूं। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि 'ईमानदारी की कोई कद्र नहीं है।'

मंत्री ने कहा, 'मेरी ईमानदारी ही मेरी कमी बन गई। मैंने कभी लॉबिंग में विश्वास नहीं किया और यह मेरे पीछे रह जाने का कारण बना। 58 वर्षीय अंगारा ने कहा कि वह राजनीति से संन्यास ले रहे हैं। अब वह पार्टी के लिए काम नहीं करेंगे। अंगारा ने कहा कि पार्टी को अपने सुलिया उम्मीदवार का ख्याल रखना चाहिए। भाजपा ने सुलिया क्षेत्र से भागीरथी मुरुल्या के नाम पर दांव खेला है।

शाहजहांपुर में 31 चेयरमैन के बाद शहर की जनता चुनेगी अपना पहला मेयर

■ पिता-पुत्र और मां बेटे ने भी पहना चेयरमैनी का ताज

सुयश सिन्हा

शाहजहांपुर। शहीदों की धरा और आध्यात्मिक नगर शाहजहांपुर के मिनी सदन में सियासत का ककहरा सीखने वाले राजनीति के वैसे तो कई पुरोधा हुए हैं लेकिन इसे विडम्बना ही कहा जा सकता है कि केवल विशन चंद्र सेठ के अलावा और कोई उच्च सदन तक नहीं पहुंच पाया। इस निकाय ने किसी जमाने में शहर की गलियों में शहीद राम प्रसाद बिस्मिल और अशफाक उल्ला खां ने आजादी के तराने गाये तो महात्मा राम चंद्र जी महाराज ने पूरे विश्व में आध्यात्म की अलख जगाने का काम कियाकिया और पं. श्री राम बाजपेयी ने स्काउट गाइड की स्थापना भी इसी निकाय में की निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी होने के साथ ही शहर की नगर पालिका से लेकर नगर निगम तक के स्वर्णिम अतीत के पन्ने एक बार फिर चाय-पान की दुकानों पर दोहराए जाने लगे हैं।

शाहजहांपुर की नगर निगम सीट पर मेयर के अलावा तीन नगर पालिका और आठ नगर पंचायत अध्यक्ष का चुनाव 11 मई को लगभग छह लाख मतदाता करेंगे। चुनाव आयोग की घोषणा के साथ ही राजनीतिक तापमान चढ़ गया है। लगभग छह साल बाद शाहजहांपुर की जनता पहली बार अपना पहला मेयर चुनेगी।शहर की सीट पर 3,26,930 मतदाता वोट करेंगे। इनमें 1,74,703 पुरुष और 1,52,227 महिला वोटर हैं। शाहजहांपुर में दूसरे चरण में 11 मई को मतदान होगा।जिले के सभी निकायों में कुल 243 वार्ड हैं, जिनमें से सर्वाधिक 60 वार्ड नवगठित नगर निगम में हैं। इससे पहले, शहर की नगरपालिका परिषद में 44 वार्ड थे। शाहजहांपुर नगर पालिका में सन् 1916 से लेकर 2017 तक 31 चेयरमैन चुने गए हैं। बीच-बीच में सुपरसेशन पीरियड रहा। जिस कारण प्रशासनिक अधिकारी इस जिम्मेदारी को निभाते रहे, लेकिन अब नगर पालिका इतिहास में दर्ज हो जाएगी और शहर के मतदाता पहली बार मेयर का चुनाव करेगें शाहजहांपुर नगर पालिका में तो नौ बार सुपरसेशन पीरियड रहा है। जिनमें सबसे लंबा सरकारी कार्यकाल 12 साल का था। पहली बार 15 जून 1966 में सुपरसेशन पीरियड लगा। जो चार जुलाई 1971 तक रहा। इसके बाद 29 जनवरी 1977 से सात फरवरी 1989 तक। 31 मार्च 1990 से दो मई 1990 तक। 17 अगस्त 1992 से चार सितंबर 1992 तक। आठ फरवरी 1994 से 30 नवंबर 1995 तक। 29 जून से 2002 से 23 जनवरी 2004। तीन दिसंबर 2005 से 17 नवंबर से 2006। 16 दिसंबर 2011 से 17 जुलाई 2012 तक। सुपरसेशन पीरियड रहा। इसके अलावा कई कार्यवाहक चेयरमैन भी रहे सबसे पहले भानु प्रताप गुप्ता 1966 में कार्यवाहक चेयरमैन बने। उसके बाद 15 मार्च 1973 से आठ जुलाई 1973 तक श्याम कृष्ण गुप्ता कार्यवाहक चेयरमैन बने। तीन मई 1990 से 24 जून 1990, 16 अगस्त 1991 से 16 अगस्त 1992 तक, पांच सितंबर 1992 से 26 सितंबर 1992 व 27 सितंबर 1993 से सात फरवरी 1994 तक ओमनरायन अग्रवाल ने कार्यवाहक चेयरमैन की जिम्मेदारी संभाली।वहीं

शाहजहांपुर नगर पालिका से सरोज गुप्ता के बाद जहांआरा बेगम दूसरी महिला नगर पालिका अध्यक्ष बनीं।नगर पालिका में सबसे ज्यादा चार बार फजलुर्रहमान उर्फछोटे खां चेयरमैन का चुनाव जीते। हालांकि बीच-बीच में उन्हें हार का सामना भी करना पड़ा। वह पहली बार 1927 में चेयरमैनी का चुनाव जीते और 1953 तक उनका आखिरी कार्यकाल रहा।यानी वह गुलाम और आजाद भारत दोनों में इस पद पर रहे। इसके बाद 1953 से 1956 तक विशन चंद्र सेठ चेयरमैन बने। उनके पुत्र प्रमोद चंद्र सेठ भी 1989 से 1991 शाहजहांपुर नगर पालिका के चेयरमैन रह चुके हैं।विशन चंद्र सेठ ही एक मात्र ऐसे नेता थे जो नगर पालिका चेयरमैन के बाद सांसद भी बने। वहीं तनवीर खां लगातार तीन बार इस चुनाव को जीतकर पालिका चेयरमैन बने हालांकि उन्होंने दो बार शहर विधानसभा से ताल ठोंकी लेकिन कामयाबी हासिल नहीं हो सकी।

शाहजहांपुर नगर पालिका का अपना एक स्वर्णिम इतिहास रहा है। यहां जहां विशनचन्द्र सेठ और प्रमोद चन्द्र सेठ ने पिता पुत्र ने चेयरमैन पद को सुशोभित किया है वहीं जहांआरा बेगम और तनवीर खां ने मां बेटे चेयरमैन पद पर काबिज हुए है।

'साहब' मेरी पत्नी को टिकट दे दो मैं 'वृन्दावन' चला जाऊंगा

लोक पहल

शाहजहांपुर। नगर निकाय चुनाव का बिगुल बज चुका है। नगर निगम, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत के मेयर और अध्यक्षों के साथ ही पार्षद व वार्ड मेम्बरों के टिकट को लेकर घमासान मचा हुआ है। टिकट चाहनों वालों की सबसे लम्बी लाईन सत्ताधारी दल भाजपा में दिखाई दे रही है। वार्ड मेम्बर व पार्षद के टिकट के लिए भी जिले से लेकर लखनऊ तक पार्टी के बड़े नेताओं की चरणवंदना का दौर चल रहा है। पार्टी संगठन के तमाम पदाधिकारियों के यहां मेले सा माहौल है। टिकट के लिए सबसे ज्यादा मारामारी शाहजहांपुर नगर निगम में मेयर पद के लिए है। हालांकि शुरूआत में भाजपा में करीब दो सौ लोग टिकट के दावेदार थे इसमें व्यापारी से लेकर उद्योगपति और कई चिकित्सक भी लाईन में लगे हुए थे लेकिन आरक्षण की घोषणा होने के बाद शाहजहांपुर मेयर की सीट पिछड़ा वर्ग महिला के लिए आरक्षित हो गई है। आरक्षण के बाद जहां एक ओर तमाम दिग्गज टिकटार्थियों के मंसूबों पर पानी फिर गया वहीं भाजपा के सामने भी अब बड़ा धर्म संकट सामने आ गया है कि वह पिछड़ा वर्ग महिला में किस पर अपना दांव लगाये। हालांकि पार्टी के तमाम वरिष्ठ कार्यकर्ता जोड़तोड़ लगा रहे हैं लेकिन पार्टी के बड़े नेताओं का मानना है कि महिला सीट होने के कारण मेयर पद का संचालन उनके पति या परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा किया जायेगा, जो शायद अंदरखाने पार्टी को मंजूर नहीं है। पार्टी के एक बड़े नेता के यहां टिकट मांगने गए टिकटार्थियों के पति और परिजन तरह-तरह के वादे और दावे करते दिखाई दे रहे है।

टिकट की प्रत्याषा में एक महिला नेता के पति ने तो नेताजी के सामने यहां तक कह दिया कि आप हमें टिकट दिला दो हम नगर निगम में कोई हस्तक्षेप नहीं करेंगे और पांच साल के लिए वृन्दावन चल जाएंगे। वहीं एक दूसरी टिकटार्थी के पति ने कहा कि वह पांच साल तक नगर निगम में झांककर नहीं देखेंगे। बस उनकी पत्नी को मेयर का टिकट दे दिया जाए। मेयर पद का पूरा संचालन उनकी पत्नी ही करेंगी। परिवार का कोई हस्तक्षेप नहीं रहेगा। वहीं टिकट की लालसा में एक बड़े नेता के यहां पहुंचे महिला टिकटार्थी के पति ने तो यहां तक कह दिया कि आप मेरी पत्नी को टिकट दें मैं पांच साल के लिए शहर ही छोड़ने को तैयार हूँ।

राजनैतिक दलों को आईना दिखाएंगे नगर निकाय चुनाव

सभी दल पूरी दमदारी से मैदान में उतरने की कर रहे हैं तैयारी

लोक पहल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव का बिगुल बज चुका है। पहले चरण के लिए होने वाले मतदान की नामांकन प्रक्रिया भी आरंभ हो चुकी है। भाजपा, सपा, कांग्रेस और बसपा अपनी-अपनी जीत के लिए रणनीति बनाने में जुट गई है। वहीं सभी पार्टियां अपने उम्मीदवारों की सूची को अन्तिम रूप देने के लिए देर रात तक बैठकें कर मंथन कर रही है। माना जा रहा है कि 2024 से पहले होने वाले निकाय चुनाव में मेयर व नगर पालिका अध्यक्ष के चुनाव से काफी हद तक राजनैतिक दलों की जमीनी हकीकत पता चल जायेगी। 2017 में हुए निकाय चुनाव में भाजपा ने एक तरफा जीत करते हुए 16 मेयर में से 14 पर अपना कब्जा जमाया था। उत्तर प्रदेश में कुल 760 नगर निकाय है इनमें से 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका परिषद व 544 सीटें नगर पंचायत अध्यक्ष की है। माना जाता है कि सबसे अहम चुनाव प्रदेश में मेयर की 17 सीटों पर होगा। पिछले चुनाव में समाजवादी पार्टी को एक भी मेयर की सीट हासिल नहीं हुई थी। सभी पार्टियां मेयर सीट को जीतने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती क्योंकि कई स्थानों पर सांसद से भी अधिक मतों से मेयर का चुनाव होता है। प्रदेश के

अलीगढ़, अयोध्या, मेरठ, मथुरा, आगरा, कानपुर, गोरखपुर, गाजियाबाद, लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज, शाहजहांपुर, बरेली, सहारनपुर, मुरादाबाद, फिरोजाबाद आदि कुल 17 सीटों पर मेयर का चुनाव होना है। सभी पार्टियों की नजर मेयर सीटों पर लगी हुई है। सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी निकाय चुनाव में मेयर सीटों पर सभाएं कर प्रचार अभियान को गति देंगे। सत्ताधारी दल भाजपा के साथ ही सभी पार्टियां निकाय चुनाव को पूरी दमदारी से लड़ने का मन बना चुकी है क्योंकि उनका मानना है कि पार्टी की जमीनी हकीकत खौसतौर से शहरी क्षेत्र में पता लगाने का इससे बेहतर कोई और माध्यम नहीं हो सकता। सभी प्रमुख राजनैतिक दल निकाय चुनाव को लोकसभा चुनाव का सेमिफाइनल मानकर चल रहे है। टिकट बंटवारे से लेकर बाकी सभी रणनीतियां कुछ इस तरह बनाई जा रही हैं कि लोकसभा चुनाव में मतदाताओं व जातीय समीकरणों को साधा जा सके। चुनाव नतीजों के बाद इन्हीं नतीजों का आंकलन कर सभी पार्टियां लोकसभा चुनाव 2024 की रणनीति तय करेंगी।

शाहजहांपुर में सपा का बड़ा दांव, अर्चना वर्मा को बनाया मेयर पद का प्रत्याशी

लोक पहल

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर नगर निगम की मेयर सीट पर समाजवादी पार्टी प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर दी। सपा ने अर्चना वर्मा को प्रत्याशी बनाया है। कई दिनों के मंथन के बाद जातीय समीकरण को हल करने के सपा ने अर्चना वर्मा को मैदान में उतारा है। ऐसा माना जा रहा है कि यादव और मुसलमान सपा के पारंपरिक वोटर हैं। अर्चना वर्मा को टिकट देकर किसान वोटर भी पार्टी अपने पक्ष में कर लेगी।

सपा से पूर्व विधायक राजेश यादव की पत्नी अंजना यादव और पूर्व मंत्री राममूर्ति सिंह वर्मा की बहू पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अर्चना वर्मा ने आवेदन किया था। सियासी हलकों में चर्चा था कि इन्हीं दोनों में से किसी को सपा प्रत्याशी बनाया जा सकता है। इसमें शाहजहांपुर से पूर्व मंत्री राममूर्ति सिंह वर्मा की पुत्रवधू अर्चना वर्मा को प्रत्याशी बनाया गया है। सपा जिलाध्यक्ष तनवीर खां ने बताया कि पार्टी ने पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अर्चना वर्मा को टिकट दिया है। पूरी पार्टी दमदारी के साथ उन्हें चुनाव लड़ाएगी। सपा प्रत्याशी अर्चना वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भरोसा जताया है। जनता के सहयोग से उनके भरोसे पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

प्रशासन ने शुरू की निकाय चुनाव की तैयारियां

जनपद में 242 मतदान केन्द्रों पर 613221 मतदाता डालेंगे वोट

लोक पहल

शाहजहाँपुर। जनपद में आगामी नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन को सकुशल संपन्न कराए जाने के उद्देश्य से आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। आचार संहिता के प्राविधानों, नामांकन एवं निर्वाचन प्रक्रिया तथा जिला प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों के विषय में जानकारी देने के लिए अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) संजय कुमार पांडे एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) त्रिभुवन ने कलेक्ट्रेट सभागार में पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से 09 अप्रैल 2023 को निर्वाचन की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) ने बताया कि एफएसटी टीमों का गठन करते हुए नियमित रूप से चेकिंग करायी जा रही है। इसके साथ ही अवैध शराब के परिवहन एवं विक्रय पर

प्रभावी नियंत्रण स्थापित किये जाने हेतु भी व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस पिकेट की तैनाती की गयी है। उन्होने बताया कि सोशल मीडिया पर भी प्रशासन द्वारा निगरानी रखी जायेगी एवं भ्रामक पोस्ट डालने वालों या माहौल खराब करने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

नामांकन की प्रक्रिया के विषय में जानकारी देते हुए अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने बताया कि उम्मीदवारों को एक नया खाता खोलना अनिवार्य होगा जिसके माध्यम से वह चुनाव में किये जाने वाले सभी खर्च कर सकेगा। उन्होंने निर्वाचन हेतु अनुमन्य व्यय सीमा की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जनपद में कुल 242 मतदान केन्द्रों पर कुल 654 मतदेय स्थल हैं। वर्तमान में जनपद में कुल 613221 मतदाता हैं। प्रेस वार्ता के दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) त्रिभुवन के नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन को सकुशल संपन्न कराने हेतु प्रशासन द्वारा किये गए प्रबंध के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किये जाने हेतु कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। उन्होंने सभी से अपील की कि किसी भी प्रकार की भ्रामक खबरों को न फैलाएं।

नीना सिन्हा, कोलकाता

कैसी तैयारी

रवीश के माता–पिता के अस्पताल पहुँचने से पहले स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रवीश के एक दोस्त ने अपने पिता के प्रभाव के बल पर खून का इंतजाम करवाकर उसे आईसीयू में भर्ती कराया। "बाइक से नियमित कॉलेज जाने वाला लड़का हेलमेट के साथ ही घर से विदा हुआ था, फिर सर में इतनी गहरी चोट कैसे लगी?" पूछते ही दोस्तों के चेहरे फक्क पड़ गए। बचाव में कहा, "आपलोग चिंता न करें! डॉक्टर के अनुसार रवीश अब खतरे से बाहर है।"

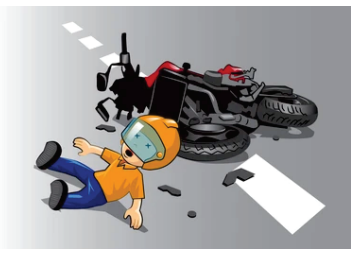

दोस्तों द्वारा सुनाई कहानियाँ आपस में मेल नहीं खा रही थीं। आखिरकार माता–पिता की तड़प एवं आँसुओं ने रवीश के परम मित्र को सच बोलने पर मजबूर कर दिया। सार था कि रवीश को इंस्टा के लिए रील्स बनाने की लत लग गई थी। मित्रमंडली कॉलेज की कक्षा छोड़कर शहर के बाहर उस पुल पर जाया करती, जहाँ ट्रैफिक न के बराबर था। वहाँ बिना हेलमेट के बाइक से स्टंट की रीलें बनाकर इंस्टा पर डाले जाते थे। अच्छी प्रतिक्रियाएँ आईं तथा फॉलोअर्स की संख्या बढ़ने लगी तो और रीलें बनाई जाने लगीं । लक्ष्य कम–से–कम दस हजार फॉलोअर्स का था, ताकि प्रायोजक मिल सकें, पर अनहोनी हो गई।

आज जब उसने स्टार्ट करके अगला पहिया उठाकर बाईक चलानी शुरू की ही थी कि बगल से एक गाड़ी तेज गति से गुजरी, उसका ध्यान भटका। जब तक संभलता, बदकिस्मती से तभी एक कुत्ता सामने से दौड़ गया। संतुलन गड़बड़ाया, बाइक का हैंडल घूमा और फुटपाथ पर चढ़कर पुल की रेलिंग से टकरा गया। उसके बाद, ओऽहहह३।

"अच्छे भारतीय परिवारों के लड़के हो। इतना खतरा क्यों उठाना है! पैसों के लिए अथवा अजनबियों के मध्य अस्थाई सस्ती लोकप्रियता बटोरने के लिए? जानलेवा जोखिम लेकर यह कैसी आभासी भविष्य की तैयारी हो रही है?" रवीश के मित्र निरूत्तर थे।

राजश्री सिन्हा,
सोफिया (बुल्गारिया)

सत्य

रोज सत्य को देखती हूँ राम नाम सत्यय राम नाम सत्य।
निशब्द लेटा मौन! सफेद कपड़ों में, सिसकते बिलखते तड़पते लोग,
क्या सत्य को स्वीकार करते। नहीं! लोभी दंभी अहंकारी लूटते,
अपने ही संस्कारों को। जाति–पाती ऊँच–नीच में
बांटते काया को। कोमल मन पर प्रहार करते, अनभिज्ञ हो।
कुचलते पैरों से, अपने ही भविष्य की खुशियां।
बार बार प्रहार किलकारियों पर, क्या ठीक है ?
भविष्य अंधकार में, मय के गिलास में ढूंढते खुशियां।
गिरते–पड़ते! क्षणभंगुरता के सत्य से दूर।
रोज मरते बिखरते,अपनी लाश ढोते। खोखली हँसी! गीता रामायण को,
सिर्फ पूजा घर की शोभा बनाते। लाल पीले चंदन से ढकते ज्ञान।
सिर्फ मांगते रोटी कपड़ा और मकान। गर्दन पर पैर रखकर मृदंग बजाते।
नाचते गाते शोर मचाते। निशब्द मौन बुद्धिजीवी।
कमजोर मन, खोखली बुद्धि का परिचय देते। घबराता मन कहाँ जाऊं मां।
फिर से समेट लो अपने आंचल में। अमृत के रसधार में, सत्य में।
फिर से वही लोरी सुना दो। सुकून ढूंढता मन,तेरी थपकियों में।

रेखा शाह आरबी
बलिया यूपी

नेताजी भावुक है..

हास्य व्यंग

चुनाव आने वाले हैं चुनाव का संबंध नेताजी से है और नेताजी का संबंध चुनाव से है, जनता से है, भावुकता से है.. सबके मिक्सचर से कुर्सी रूपी प्रोडक्ट तैयार होता है। चुनाव का महात्म इतना है कि वोट देने वाला और वोट पाने वाला दोनों अपने गणित लगाते हैं एक लगाता है कि वह खुद जीत जाए और एक लगाता है कि जिसको चाहता है वह जीत जाए। जिसके पासे ठीक–ठाक रहते हैं। उसको मिलती है कुर्सी और बाकी जो बच जाते हैं। वह कुर्सी की टांग खींचते रहते है। और तब तक खींचते रहते हैं जब तक उस पर बैठा हुआ गिर ना जाए और वह खुद उस पर आसीन ना हो जाए।

खैर.. हमारे क्षेत्र के नेता गड़बड़ी लाल भी चुनाव में उठने वाले हैं। गड़बड़ी लाल पहले भी कई बार चुनाव जीत चुके हैं। लेकिन पिछला चुनाव हार गए थे। इसलिए इस बार कोई चूक नहीं करना चाहते हैं। नेताजी चुनाव का सुनकर अत्यंत भावुक है और उनकी भावुकता देखकर मैं भावुक होती जा रही हूं ।

उनके भावुक होने का आलम यह है कि कल शाम को एक कुत्ते को रोते देखकर वह उसे पकड़ कर बुक्का फाड़कर रोने लगे। तब मैंने समझाया नेताजी इसका नाम वोटर लिस्ट में नही है। ना यह आपको वोट दे सकता है। तब जाकर नेता जी ने कुत्ते को छोड़ा और तब कुत्ते और मैंने चौन की सांस ली। और कुत्ता तो भागा जैसे उसने नेताजी नहीं किसी भूत ने पकड़ा था। इंसानों की ही नही कुत्तों की भी याददाश्त होती है। बेचारा अब जब भी नेता जी को देखेगा पिछली गली पकड़ लेगा।

इसी तरह सड़क पर एक भीख मांगते अत्यंत दयनीय काया वाले वृद्ध को देखकर नेताजी उसके पास जाकर मुंह फाड़ कर रोने लगे। मैंने अपना माथा पीट लिया और उनके कान के पास धीरे से

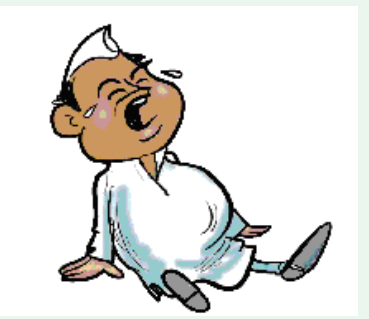

जाकर बोली –'अरे नेता जी आप उसकी उम्र और उसकी दशा को देखिए वह ज्यादा से ज्यादा एक या दो हफ्ते ही और जी पाएगा। और आपका चुनाव होने में अभी तीन महीने है। तब जाकर नेता जी ने जल्दी से अपनी बहती नाक पोछ और हाथ झाड़कर उठ खड़े हुए। और मुझे ही डांटने लगे–– तुम्हें पहले नहीं बताना चाहिए था।' मैंने मन में सोचा, नेताजी आप कौन सा मुझसे पूछकर ऊटपटांग कार्य करते हैं।

अगले दिन चंदा मांगने के लिए कुछ लोग आए गड़बड़ी लाल नेता जी ने आव देखा न ताव हो गए शुरू.. फिर से लगे अपना मुंह फाड़ कर रोने और रोने की रफ्तार इतनी थी कि उन्हें थामना मुश्किल हो रहा था। चंदा मांगने वाले हतप्रभ थे । उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि नेताजी को चुप कराया जाए तो कैसे कराएं। तो वह मेरी तरफ देखने लगे। मैंने इशारों इशारों में आश्वासन दिया कोई बात नहीं आप लोग शांत रहें ।और नेताजी के कान के पास जाकर धीरे से बोली 'नेताजी अभी यह सारे वोटर लिस्ट में नहीं होंगे इनकी उम्र वोटर लिस्ट में आने की नहीं है आपका भावुक होना व्यर्थ है । यह सरस्वती पूजा का चंदा मांगने वाले बच्चे हैं । नेता जी ने जब इतना सुना तो तुरंत रोना बंद कर उन लड़कों की तरफ आंख तरेर कर बोले 'तुम सबको कोई काम नहीं .. आ जाते हो बेकार में चंदा मांगने और भगा दिया।

जैसे–जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है नेताजी की भावुकता खतरनाक स्तर तक बढ़ती जा रही है। अब वह इंसान और जानवरों में भेद करना छोड़ दिए हैं। मुझे अच्छी तरह पता है गड़बड़ी लाल नेताजी हर घंटे किसी न किसी को देखकर भावुक होते रहेंगे। पूरे चुनाव होने तक और उन्हें संभालने के चक्कर में मेरी जमकर बैंड बजने वाली है। अब बस ईश्वर से इतनी प्रार्थना है कि जल्द से जल्द यह चुनाव बीत जाए। ताकि मैं भी चौन की सांस लूं और जिन जिन को पकड़कर गड़बड़ी जी बुक्का फाड़कर रोने लगते हैं। उन्हें भी थोड़ी शांति महसूस हो।

अम्बेडकर जयंती पर विशेष

ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान'

गजल

वंचितों के बन मसीहा डाक्टर अम्बेडकर ने।
छाँट करके तम दिखाई है डगर अम्बेडकर ने।
तात्कालिक जातिवादी उस व्यवस्था से लड़े थे,
थे कठिन संघर्ष झेले उम्र भर अम्बेडकर ने।
हक दिलाया नारियों, मजदूर, दलितों, वंचितों को,
देश का कानून हमको सौंपकर अम्बेडकर ने।
प्राप्त कर शिक्षा, सभी को साथ ले संघर्ष करना,
सूत्र दे पूरा किया अपना सफर अम्बेडकर ने।
'ज्ञान' जब बेहतर लगा हिंदुत्व को ही त्याग देना,
ली तथागत की शरण होकर निडर अम्बेडकर ने।

भारत देश अनोखा ऐसा

पवन बसंती खुशबू लाकर
धरती का कण कण महकाए।
भारत देश अनोखा ऐसा सबको
हँसकर गले लगाए।
जाने कितने दंश हैं झेले
स्वाभिमान का युद्ध लड़ा है।
पूरे गौरव से तन कर ये
विश्व पटल पर आज खड़ा है।
नील गगन छूने को आतुर
भारत का झंडा फहराए।
भारत देश अनोखा ऐसा सबको
हँसकर गले लगाए।
जन्मभूमि वीरों की पावन यह
धन्य देश की धरती है।
क्रांति वीर हैं बड़े दुलारे
पालन सन्तों का करती है।
शौर्य ज्ञान का अद्भुत संगम
अपना रंग अलग दिखलाए।
भारत देश अनोखा ऐसा सबको
हँसकर गले लगाए।
राम कृष्ण की लीला नगरी
पावन नदियों का संगम है
अध्यात्म में जो होड़ लगा ले
नहीं किसी में इतना दम है
शांति –पंथ पर हाथ पकड़ कर
पूरी दुनिया को ले जाए
भारत देश अनोखा ऐसा सबको
हँसकर गले लगाए।

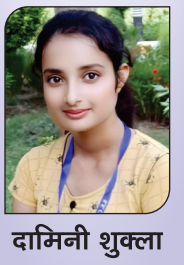

दामिनी शुक्ला
शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश

गूढ़ बातें और सेल्फी

लोकतंत्र में जनता है
एक सेल्फी तो बनता है
और मेल–जोल बढ़ता है
यह प्रेम कहाँ घटता है
मुझको दिल से पढ़ता है
वो गूढ विचार समझता है
अँधियारा कैसे कटता है
रिश्ते–नाते सब बटता है
दुःख से हृदय जलता है
सुख किसको मिलता है
मंदिर ढूढ़े मस्जिद ढूढ़े
फिर क्यों अंतर्रात्मा कुढ़े
दुनियादारी से बचता है
सूर्यदीप सब समझता है
नेता जनहित से दूर है
जब लोकतंत्र मजबूर है
जब पैसा–पैसा जपता है
तब प्रेम कहाँ मिलता है

सूर्यदीप कुशवाहा
वाराणसी

दोहे

राजेन्द्र वर्मा, लखनऊ

अधरों पर सजता रहा, मानवता का गान।
आँखों में लेकिन बसा, पद–पैसा–सम्मान।
अपनों से भी आजकल, बना हुआ अनजान।
अपनी–अपनी में लगा, यह कैसा इनसानम
इधर आरती तो उधर, होती रही अजान।
ध्वनि–विस्तारक से सभी, फोड़ रहे हैं कानम
इधर तनी बंदूक है, उधर भौंकते श्वान।
हिटलर बैठा बाँटता, लोकतंत्र का ज्ञानम
इधर हिमालय है तना, उधर समुद्र विशाल।
फिर भी आए दिन पड़े, सूखा और अकालम
ऐसा जंगलराज है, मची हुई है लूट।
शाह–लुटेरे कर रहे, नित संधियाँ अटूटम
उद्योगों से बढ़ रही, गो कि देश की शान।
नदी–नदी दूषित हुई, पशु–पक्षी हैरानम
औने–पौने बिक रही, निर्धन की श्रमशक्ति।
धनिक साधने में लगा, धन–देवी की भक्तिम
औरों का हक छीनकर, जो भी बनें महान।
उनके ही घर में पलें, भाग्य और भगवानम

भीगी पलकें

हर आँसू एक कहानी है,
जो सारे जग से छुपानी है,
हर दर्द पे देखो जब्त किया
हिम्मत हमको दिखलानी है।
बेमतलब जाया ना करना
दुनिया वाले कब समझे हैं,
जो समझे उस को आँसू है
और ना समझे तो पानी है।
रुख़्सार के ऊपर बहते हैं
चुपचाप कभी जाहिर होकर,
लगतीं हैं दो बूंदें लेकिन
सागर से गहरी रवानी है।

प्रदीप सहाय बेदार

/ सम्पादकीय /

बढ़ती बेरोजगारी और निवेश का संकट

एक ओर जहां उत्तर प्रदेश और देश के विभिन्न राज्यों में ग्लोबल मीट का आयोजन कर विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए करोड़ो रूपया सरकारें पानी की तरह बहा रही है लेकिन वर्तमान हालात की यदि चर्चा की जाए तो मौजूदा परिस्थितियों में सार्वजनिक निवेश ऐसी परियोजनाओं में करने की जरूरत है, जो अधिक से अधिक रोजगार पैदा करने वाली हों। लोगों की जेब में पैसे पहुंचेंगे, तभी बाजार में मांग बढ़ेगी और निजी क्षेत्र निवेश को आगे आएगा। अफसोस कि इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो रही। निजी क्षेत्र को भरोसा ही नहीं कि बाजार में छोड़ी जाने वाली पूंजी वापस लौट आएगी। निवेशक सम्मेलन, निवेशक वादे, घोषणाएं सफेद हाथी साबित हो रहे हैं। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश घट रहा है, तो घरेलू निजी निवेश भी नीचे आ रहा है। आखिर इन सबके लिए किसी न किसी को तो जिम्मेदारी लेनी होगी।

डीपीआइआइटी के आंकड़े बताते हैं कि मौजूदा वित्तवर्ष (2022–23) के प्रथम नौ महीनों के दौरान भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) पंद्रह फीसद घट गया है। जो पिछले वित्तवर्ष की इसी अवधि में 43.17 अरब डालर था। निवेश अर्थव्यवस्था का आधार होता है। निवेश के अभाव में अर्थव्यवस्था अर्थहीन हो जाती है। भारतीय अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति इसका एक उदाहरण भर है। बाजार में मांग मंद हो चली है। महंगाई, बेरोजगारी का बोझ असहनीय हो चुका है। आम आदमी कराह रहा है, और खास लोग तीव्र वृद्धि दर की डफली पीट रहे हैं। आत्ममंथन की गुंजाइश खत्म हो गई है। अर्थव्यवस्था की इस करुण कथा का अंत भले अदृश्य है, लेकिन आभास डरावना है।

आदर्श अर्थव्यवस्था वह होती है, जहां हर हाथ को काम, हर घर में कमाई, सबके लिए सम्मानजनक जीवन के साधन और अवसर सुलभ हों। यह सुलभता तभी संभव है, जब उचित निवेश उपलब्ध हो। खुले बाजार वाली अर्थव्यवस्था में निवेश की बड़ी जिम्मेदारी निजी क्षेत्र पर आ जाती है, क्योंकि सार्वजनिक क्षेत्र विनिवेश की भेंट चढ़ चुका होता है। निजी क्षेत्र तभी निवेश करता है, जब पूंजी की मुनाफे के साथ वापसी का भरोसा हो। भरोसे का वातावरण बनाने की जिम्मेदारी नीति नियंताओं की होती है। यहीं पर उनके कौशल, उनकी नीति और नीयत की परीक्षा होती है। निवेश आकर्षित करने की जाहिर तौर पर कोशिशें की गई हैं। जिनके कुछ फायदे भी हुए हैं। आज 190 देशों के 'ईज आफ डूइंग बिजनेस' सूचकांक में 142वें (2014) पायदान से उठ कर 63वें (2022) पायदान पर पहुंच जाने के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था निवेश को मोहताज है। निवेश पर निगरानी रखने वाली संस्था 'प्रोजेक्ट्स टुडे' का ताजा सर्वेक्षण कहता है कि कुल निवेश में घरेलू निजी निवेश की हिस्सेदारी वित्तवर्ष 2022–23 के प्रथम नौ महीनों में घट कर 54.66 फीसद रह गई। फिलहाल जो हालात है उनमें महंगाई, बेरोजगारी जैसी अर्थव्यवस्था की बुनियादी बीमारी से राहत नहीं मिलने वाली।

मौजूदा परिस्थितियों में सार्वजनिक निवेश ऐसी परियोजनाओं में करने की जरूरत है, जो अधिक से अधिक रोजगार पैदा करने वाली हों। लोगों की जेब में पैसे पहुंचेंगे, तभी बाजार में मांग बढ़ेगी और निजी क्षेत्र निवेश को आगे आएगा।

वास्तविक खुशहाली से दूर किसान

रानी प्रियंका
बहादुरगढ़ (हरियाणा)

'जाहि विधि राखे राम ताहि विधि रहिए।' तुलसीदास ने अपने रामचरित मानस में इस श्लोक के जरिए खुश रहने का मंत्र दिया था। अपने देश मे अगर किसी वर्ग ने अपनाया तो वह किसान है। घोर से घोर विपत्ति में भी हिम्मत नहीं हारता। तमाम तरह की उपेक्षाओं को सहकर भी वह अपने कर्म में जुटा रहता है। कर्म के साथ अध्यात्म का अपूर्व संयोग भारतीय कृषक का अस्तित्व निर्मित करता हैं। खेती इनका यज्ञ हैं। खेती की धरती इनका यज्ञ मंडफ हैं। परिश्रम इनके जीवन का सबसे बड़ा धर्म हैं। किसान स्वभाव से निश्छल तथा सीधे साधे होते हैं। ईमानदारी इनके जीवन का अलंकार हैं।

अपनी निश्चलता, कर्मठता और ईमानदारी के बावजूद भारत का किसान अपना सही हक हासिल नहीं कर पाया है। उनकी आर्थिक स्थिति संतोषजनक नहीं हैं। सारे देश को खिलाने वाले किसान को भरपेट भोजन नहीं मिल पाता। वह सुबह शाम खेत खलिहान में जी तोड़ मेहनत करता है। और जो भी रुखा सूखा मिलता है, चौत वैसाख की दुपहरी में किसी पेड़ के छाया में बैठ कर खा लेता।किसानों की यह स्थिति भारतीय विकास की सबसे बड़ी विडंबना है। तमाम परेशानियों और उलझनों के बीच अपने परिश्रम के बूते ये जो कुछ, जितना उपजाते हैं उससे इनके परिवार की आवश्यकताएँ ही पूरी नहीं हो पाती हैं। यह स्थिति उन्हें पहले कर्ज में डूबाता है। परिवारिक चिंता में व्यग्र ये धीरे धीरे कृशकाय होते जाते हैं। और खेती छोड़ मजदूरी के लिए पलायन को मजबूर होती हैं। एक तरह से गरीबी, भूख और पलायन इनकी नियति बनी हुई है।

पहले अधिकतर किसान अनपढ़ होते थे। गरीबी के कारण अशिक्षित भी थे। ये बहुत सारी गलत रूढ़ियों के शिकार

थे। शिक्षा के प्रसार से इसमे थोड़ा सुधार हुआ है। सरकार की योजनाओं से कुछ हद तक मदद मिली है। सरकार की ओर से इन्हें उत्तम खाद, अच्छे बीज,सिंचाई की सुविधा तथा कृषि के वैज्ञनिक उपकरण मुहैया कराने का काम हुआ है। पेचीदगियां हैं फिर भी विभिन्न बैंकों के माध्यम से इन्हें ऋण भी मिल रहा। सरकार ने किसानों के पचास हजार तक ऋण माफ कर साहसिक और प्रशंसनीय कार्य किया है। वैज्ञानिक खेती की पहुंच छोटे किसानों तक बनी है। वे जैविक खेती भी करने लगे हैं। इनसब से इनकी आर्थिक स्थिति में थोड़ा बदलाव आया है।

भारत किसानों का देश हैं।आज के समय में साढ़े दस करोड़ लोग कृषि पर निर्भर हैं। इसके बावजूद एक लोकोक्ति आज भी सुनने को मिल जाती है, 'किसान ऋण में ही जन्म लेता है ऋण में ही मर जाता है।' हालांकि इस स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ है। लेकिन उसे पर्याप्त मानने की स्थिति अभी तक नहीं बनी है। याद रखना होगा कमजोर रीढ़ वाला व्यक्ति सबल नही हो सकता। उसी तरह किसानों की खुशहाली के बगैर देश खुशहाल नहीं हो सकता। इस बात को याद रखकर अभी बहुत कुछ करना बाकी है।

पहले धीरे ही सही पर इस भ्रमक लोकोक्ति को मिटाया जा सकता हैं। याद रखना होगा किसानों की खुशहाली ही देश की खुशहाली हैं। क्योंकि भारत किसानों का देश हैं।आज भी साढ़े दस करोड़ लोग कृषि पर निर्भर हैं।

अन्न का सदुपयोग-उदात्त अवधारणा

डा. कनक रानी
पूर्व प्राचार्य शाहजहांपुर

अन्न ब्रह्म है। अन्न प्राण है। अन्न ऊर्जा है। अन्न जीवन है। अन्न से मन प्रभावित होता है। शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य में अन्न की महती भूमिका है। स्वस्थ नागरिकों से राष्ट्र सबल एवं गतिशील होता है। समाज–राष्ट्र की संस्थिति में अन्न का महत्वपूर्ण योगदान है। इसे राष्ट्रीय आवश्यकता कहना अत्युक्ति नहीं। अन्न का दुरुपयोग राष्ट्रीय उन्नति को बाधित कर सकता है। इस दृष्टिकोण से अन्न का सदुपयोग–संरक्षण एक संवेदनशील और गंभीर पहलू है। राष्ट्र हित में अन्न संरक्षण से संदर्भित जनचेतना प्रबल रूप से अपेक्षित है।

देवता इस संपदा को सुंदर बनाएं। अथर्ववेद के अन्तर्गत पृथिवी सूक्त में अन्न से समृद्ध जीवन की कामना की गयी। ऋषियों ने उपादेयता के कारण अन्न में देवत्व को अनुभूत किया। उसके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। जनहितार्थ अन्न के कण कण का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। अन्न शरीर की रक्षा का हेतु है। जीवन की मौलिक आवश्यकताओं में अन्यतम इसके संदर्भ में प्रकृति अत्यन्त उदार दिखाई देती है। जितना अन्न बोओगे उससे कई गुना अधिक पाओगे। अन्न को पृथ्वी पर बहुमूल्य पदार्थ माना गया। जल, अन्न और सुभाषित तो पृथ्वी पर रत्न ही हैं– पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि जलम् अन्नं सुभाषितम चाणक्यनीति। ध्यातव्य है कि अन्न का दुरुपयोग अमानवीय है। संवेदनहीनता का परिचायक है। अन्न है तो जीवन है। अन्न को अपव्यय से बचाना जन–जन का कर्तव्य है। सनातन संस्कृति इस संदर्भ में पर्याप्त जागरूक दिखाई देती है और उचित आहार हेतु प्रेरित करती है। अन्न की निंदा अनुचित है– अन्नं न निंद्यात्। तद् व्रतम्– तैत्तिरीय उपनिषद्। अन्न के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण की अपेक्षा है। अति आहार रोगमुक्त जीवन के नियम का उल्लंघन है। अरुग्णता के लक्ष्यगत अतिरिक्त आहार ग्रहण करना उचित नहीं–.न चौवात्यशनं कुर्यात् – मनुस्मृति–द्वितीय अध्याय। उच्छिष्ट भोजन किसी को देना ठीक नहीं– नोच्छिष्टं क्वचित् दद्यात्– मनुस्मृति– द्वितीय अध्याय। अस्वास्थ्यकर होने के कारण जूठा भोजन किसी को दिया जाना सही नहीं। इसप्रकार उच्छिष्ट अन्न भी अर्थहीन हो जाता है। अन्यत्र भी संदेश दिया गया कि समुचित भोजन ही निरोग रहने की दृष्टि से हितकर है– युक्ताहार–विहारस्य युक्त चेष्टस्य कर्मसु– श्रीमद्भगवद् गीता–6–17 अर्थात् जो आहार–विहार– कर्म में नियमित रहता है, वह भौतिक क्लेशों से मुक्त रहता है।

आयुर्वेद में जनहितार्थ भोजन की

श्रेष्ठता केन्द्रीकृत है। अन्न दीर्घायु का धारक तत्व है। शीर्ष प्राथमिकता है इसकी। आधि– व्याधि से मुक्त रहने के लिए आधारभूत तथ्यों का उल्लेख किया गया कि– अन्न हितकारी हो, सीमित हो, प्रकृति के अनुसार हो– हितभुक् मितभुक् ऋतभुक्। काया को रोगों से दूर रखने की योग्यता है इसमें। यह स्वस्थ जीवन हेतु अनुकूलन लाता है। इसके अनुपालन से सुख और आनंद की उपलब्धि बतायी गयी।

आरोग्य का सिद्धान्त अन्न ग्रहण करने के संदर्भ में समुचित दृष्टिकोण को संज्ञान में लाता है। सामाजिक–राष्ट्रीय स्वस्थता एवं सशक्तता को लक्षित करते हुए भोजन की गुणवत्ता–पोषकता–शुद्धता अर्थात् मिलावटरहित होना भी चिन्तनीय पहलू है। एतदर्थ यजुर्वेद में रोगमुक्ति में सहायक तथा पुष्टिकारक अन्न हेतु प्रार्थना की गई–अन्नपते अन्नस्य नो देह्यनमीवस्य शुष्मिणः।

यहां इस तथ्य को इंगित करना अनुचित नहीं कि उत्सव आदि में अन्यान्य व्यंजनों की लालसा में अपने थाली के भोज्य को बिना किसी आधार के निस्तारित कर दिया जाता है। यह प्रवृत्ति उचित नहीं, अतः इस पर स्वतः अंकुश लगाना आवश्यक है। एक ओर जहां भूख से पीड़ित अभावग्रस्त लोग हैं, वहां अन्न का दुरुपयोग? यह विषय तो मानवता को ही प्रश्नांकित करता है। ध्यातव्य है कि बचे हुए अन्न से बुभुक्षित–कुपोषित–अल्पपोषित को तृप्त किया जा सकता है। जूठा अन्न छोड़ना–फेंकना सर्वथा अनुचित है। हमारी विश्ववरणीय सनातन संस्कृति प्रत्येक जीवधारी की उदरपूर्ति में तत्पर है। बलिवैश्वदेव यज्ञ का विधान सर्वजनहिताय अन्नापूर्ति के व्यापक उद्देश्य को संजोए है। लोक कल्याणार्थ अन्नदान का विशेष महत्व बताया गया। यह अक्षय कीर्ति का कारक है। आरोग्य में साधक है। आत्मिक सुख देता है। पारलौकिक सुख का साधन है। अमरत्व प्राप्ति में सहायक है। कहा गया दक्षिणावन्तो अमृतत्वं भजन्ते। ऋग्वेद/1/ 125/6 यह उदात्त दृष्टिकोण भूखी जनता को किसी सीमा तक सुख पहुंचाने में सहायक है। अन्न से सामाजिक–राष्ट्रीय संस्थिति प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होती है। इसीलिए इस संदर्भ में गम्भीरतापूर्वक चिन्तन करने का आग्रह है। अन्ततः अन्न का सदुपयोग स्वप्रेरणा से वांछित है, न कि परप्रभाववश।

जिले को 195 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना व पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद ने किया भूमि पूजन

लोक पहल

शाहजहाँपुर। प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना व लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद ने अपने गृह जनपद में एक अरब से ऊपर की सड़कों का भूमि पूजन किया। शाहजहॉपुर के अजीजगंज चौहनापुर मदनापुर मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण कार्य का भूमि पूजन एवं विधानसभा ददरौल के सेतु/मार्गों का शिलान्यास/लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर जितिन प्रसाद ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार गांव गांव तक सड़कों का ताना–बाना बुन रही है ताकि आवागमन के साधनों को सुगम बनाया जा सके। जितिन प्रसाद ने शाहजहांपुर को लगभग 195 करोड़ की लागत से बनने वाली 55 परियोजनाओं की सौगात दी। जितिन प्रसाद ने कहा कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 142 किलोमीटर लंबी सड़कों का जाल बिछाया जाएगा। लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद के साथ वित्त मंत्री सुरेश खन्ना सहित भाजपा के विधायक शामिल रहे।

इस अवसर पर वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि प्रदेश की योगी एवं देश की मोदी सरकार लोकप्रियता के पायदान पर सबसे आगे है। यही कारण है कि जन जन तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए सरकार रणनीति बनाकर काम कर रही है। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री कृष्णाराज, विधायक मानवेंद्र सिंह, एमएलसी सुधीर गुप्ता, राकेश मिश्रा अनावा, जिलाध्यक्ष के.सी मिश्रा, कौशल मिश्रा, विनीत मिश्रा, राजू मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

कुशल शिक्षक का मुख्य उद्देश्य शिक्षण को प्रभावशाली बनाना : डा. मीना शर्मा

एस एस कालेज में छह दिवसीय सूक्ष्म शिक्षण कार्यशाला का समापन

लोक पहल

शाहजहांपुर। एस.एस. कॉलेज के शिक्षक शिक्षा विभाग में चल रही छः दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। समापन अवसर पर विभाग की विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्रो. मीना शर्मा ने कहा कि एक कुशल शिक्षक का मुख्य उद्देश्य अपने शिक्षण को अधिक प्रभावशाली बनाना है। प्रभावशाली शिक्षण के लिए यह आवश्यक है कि उसमें विशिष्ट शिक्षण कौशलों का विकास किया जाए। प्रशिक्षुओं में शिक्षण कौशल का विकास करने की सबसे सरल विधि सूक्ष्म शिक्षण है। इस प्रक्रिया से शिक्षण अधिक प्रभावशाली एवं सुगम हो जाता है।डॉ. प्रभात शुक्ला ने कहा कि शिक्षण प्रशिक्षण में शिक्षण कौशल का महत्वपूर्ण स्थान है। इन कौशलों का उपयोग करके कक्षा में प्रभावी शिक्षण द्वारा एक अच्छा शिक्षक बनना आसान हो जाता है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. ब्रिज निवास ने छः दिवसीय कार्यशाला की और सभी सहयोगियों का आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर डॉ. विनीत श्रीवास्तव, डॉ. शैलजा मिश्रा, डॉ. मनोज कुमार मिश्र, राहुल शुक्ला, प्रिया शर्मा, अखिलेश तिवारी, सौरभ मिश्रा, संजय सिंह, रोहित सिंह, नेहा, राजीव यादव आदि उपस्थित रहे। संचालन अखिलेश तिवारी ने किया।

होम्योपैथिक के जनक डा. हैनिमैन का जन्मदिवस पर चिकित्सकों ने अर्पित किये श्रद्धासुमन

लोक पहल

शाहजहांपुर। होम्योपैथिक के जनक डॉ सैमुअल हैनिमैन का जन्मदिवस 'विश्व होम्योपैथी दिवस' के रूप में मनाया गया। डॉ रवि मोहन एवं डॉ संगीता मोहन के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में डा. हैनिमैन का भावपूर्ण स्मरण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस मौके पर डा. रवि मोहन ने कहा कि होम्योपैथी चिकित्सा क्षेत्र की एक ऐसी पैथी है जिससे असाध्य से असाध्य रोगों का इलाज भी किया जा रहा है। आज लोगों का इस चिकित्सा पद्धति पर बढ़ता जा रहा है। कार्यक्रम में डा. हेमेन्द्र वर्मा, डा. केडी सिंह, डा. गौरव कौशल, डा. वीएन रस्तोगी ने भी विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर आयुष चिकित्सको द्वारा डॉक्टर हैनिमैन के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में डॉ. एमएन शुक्ला, डॉ. सुशील मिश्रा , डॉ एसी वर्मा, डॉ. वीएन रस्तोगी, डॉ. केडी सिंह, डॉ. हेमेंद्र वर्मा, डॉ. विजय जौहरी, डॉ. प्रणव चौधरी, डॉ. मणिका चौधरी, डॉ. गौरव कौशल, डॉ. आचल, डॉ. विजयेंद्र, डॉ. योगेन्द्र, डॉ. साद जावेद, डॉ. वाई. के. मलिक, डॉ. पंकज, डॉ. विकास, डॉ. शिवम, डॉ. आशीष, डॉ. हरीश सचदेवा आदि उपस्थित रहे।

योजना का मानव जीवन में विशेष महत्वः प्रो. आजाद

लोक पहल

शाहजहांपुर। शिक्षण में योजना का मानव जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। बिना योजना के कोई भी कार्य सफलता के साथ नहीं किया जा सकता। यह विचार एसएस कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आरके आजाद ने व्यक्त किये। प्रो. अजीत सिंह चारग ने कहा कि स्वस्थ्य शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण होता है। अतः हमें विद्यार्थी जीवन में अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए। प्रो. प्रभात शुक्ल ने दो दिवसीय पाठयोजना निर्माण कार्यशाला की कार्य योजना प्रस्तुत की।

डॉ0 प्रियंका शर्मा के निर्देशन में बीएड की छात्राओं सुनेहा मिश्रा, सृष्टि, प्राची बाजपेई ने सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

इस दौरान डॉ0 विनीत श्रीवास्तव, डॉ0 शैलजा मिश्रा, डॉ0 मनोज कुमार मिश्रा, राहुल शुक्ला, प्रिया शर्मा, संजय कुमार, सौरभ मिश्रा, रोहित सिंह, अमित गुप्ता, नेहा कुमारी, राजीव यादव एवं अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यशाला में स्वागत भाषण डॉ0 केके मिश्र ने प्रस्तुत किया तथा आभार संयोजक अखिलेश तिवारी ने व्यक्त किया। संचालन बृज निवास ने किया।

सोता हूं मैं तकिए नीचे रखकर नागफनी

प्रवाह साहित्यिक संस्थान की ओर से काव्य संध्या का आयोजन

लोक पहल

शाहजहाँपुर। प्रवाह साहित्यिक संस्थान के तत्वावधान में एक काव्यसंध्या का आयोजन अंटा चौराहा स्थित निदान पैथोलॉजी के सभागार में किया गया। बीसलपुर से पधारे कवि टीएल वर्मा काव्यसंध्या के सम्मान में आयोजित इस काव्यसंध्या में गीतकार कमल मानव की वाणी वंदना के बाद **डॉ0 प्रशांत अग्निहोत्री ने जीवन की व्याख्या अपने नवगीत के माध्यम से इस प्रकार की–** जीवन नदिया, तू ही तट है। प्यासे मन का, तू पनघट है। जिसके तले, श्रान्त मन ठहरे, तू जीवन का, वह तरु वट है।

नवगीतकार ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान' ने विसंगतियों के सापेक्ष अपना नवगीत कुछ यूँ पढ़ा– देखो मत मेरे सपनों की, चादर रक्त सनी। सोता हूँ मैं तकिए नीचे रखकर नागफनी।

कवि सुशील दीक्षित 'विचित्र' ने कहा–इस मौसम में एक पक्ष, सबको अपनाना होगा। शीश काटना होगा, या कटवाना होगा।

गीतकार कमल मानव ने कहा कि–साँस के तार राग बन जाते, राग अंतर के आग बन जाते। खाक होती मेरी हस्ती लेकिन, खाक से कुछ चिराग बन जाते।

व्यंग्यकार उमेश चंद्र सिंह ने कहा कि–ये जो दुनिया जो हमने जानी है। दुश्मनों की मेहरबानी है। मैं गरीबी में खुश हूँ कैसे, मेरे दोस्तों की मेहरबानी है।

डॉ0 राजीव सिंह 'भारत' ने पाश्चात्य सभ्यता की विकृतियों पर चोट करते हुए कहा– बचपन की जब लाज हवाएं लूट रहीं, यौवन से कब तलक दुपट्टा सँभलेगा।

कवि चंद्र मोहन पाठक ने कहा– हिंसा की ज्वाला में जब जब देश जला करता। कुमुदों के घर में जब नागफनी खिला करता। जब मन विचलित हो उठता देख सुलगता समाज, तब कवि श्रृंगार छोड़ अंगार लिखा करता।

अरुण दीक्षित ने कहा – आप हल्का न मुझको समझना अभी, लकड़ियाँ कम रहीं तो जलूँगा नहीं।

विवेक प्रताप ने सुनाया–कैसा यह आया समय, नहीं किसी से प्रीति। पर हम सबके मीत हैं, कब हैं मेरे मीत।

अतिथि कवि टीएल वर्मा ने अपने मुक्तक इस प्रकार प्रस्तुत किए–दिखाते तीर जो तरकस नहीं वे काम आते हैं। उमड़ते खूब बढ़ चढ़ के, व्यर्थ में गड़गड़ाते हैं। सुहाने वारिदो पर तुम न जल की लालसा करना, दिखावा जो नहीं करते, वही बरसात लाते हैं।

काव्यसंध्या की अध्यक्षता करते हुए कवि चंद्रशेखर दीक्षित ने अपनी बात कही– बंजारे हैं या भिखमंगे हैं, नहीं हरजला ये कहलाते। और वर्ष में एक बार ही, आते हैं वे जाते जाते। काव्यसंध्या का संचालन उमेशचंद्र सिंह ने तथा आभार ज्ञापन संस्थाध्यक्ष सुशील दीक्षित 'विचित्र' ने किया।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भारतीय योग संस्थान का स्थापना दिवस

लोक पहल

शाहजहांपुर। भारतीय योग संस्थान का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ शहीद उद्यान में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला कारागार जेल अधीक्षक मिजाजी लाल द्वारा भारतीय योग संस्थान के संस्थापक प्रकाश लाल एवं मां शारदे के चित्र पर पुष्पांजलि एवं दीपांजलि के साथ हुआ। आसनों की साधना में पद्मासन गहरी लंबे श्वास जिला प्रधान पवन सिंह द्वारा, ताड़ासन कटिचक्रासन त्रिकोणासन का अभ्यास कराया गया। इसके अतिरिक्त कैंट क्षेत्र प्रधान मनमोहन त्रिपाठी, शहीद उद्यान योग केंद्र प्रमुख सूर्यभान शुक्ला, आरती बंसल, सुधीर मिश्रा, राजेश मिश्रा, शिवम सक्सेना, गोपाल सिंह, अवधेश प्रजापति एवं भगवान दास शर्मा द्वारा विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर अवधेश प्रजापति, राजेंद्र गुप्ता एवं मयंक भूषण पांडे ने भजन प्रस्तुत किये। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मियाजी लाल ने कहा कि कोरोना काल में योग के माध्यम से आमजन सशक्त होकर खड़ा रहा है। योग हमारे जीवन में महती भूमिका रखता है।

इस अवसर पर चौक क्षेत्रीय मंत्री पुनीत दिक्षित, सुनील कुमार घनश्याम, राजेंद्र गुप्ता, केके शुक्ला, संजय गुप्ता, भगवानदास शर्मा, अरुण पाठक आदि का योगदान रहा। कार्यक्रम में लगभग 100 साधकों ने सामूहिक साधना की। आभार क्षेत्रीय प्रधान सदर क्षेत्र अवधेश प्रजापति ने व्यक्त किया।

और अब राजा भैया और भानवी सिंह की राहें भी होंगी जुदा

न्यायालय में तलाक के लिए राजा भैया ने दायर किया मुकदमा

लोक पहल

लखनऊ। प्रदेश सरकार के मंत्री दयाशंकर सिंह और पूर्वमंत्री स्वाती सिंह के तलाक का मामला अभी ठंडा भी नहीं हो पाया था तभी उत्तर प्रदेश के एक और कद्दावर नेता और प्रतापगढ़ के कुंडा से विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया और उनकी पत्नी भानवी सिंह के तलाक की चर्चा शुरू हो गई है। तलाक के लिए राजा भैया ने पहल करते हुए न्यायालय की शरण ली है जहां मामले में सुनवाई 23 मई तक के लिए टल गई। तलाक की अर्जी राजा भैया की ओर से दाखिल की गई है। अदालत ने राजा भैया की पत्नी भानवी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

साकेत कोर्ट स्थित फैमिली कोर्ट जज शुनाली गुप्ता को छुट्टी पर थीं इसलिए मामले की सुनवाई स्थगित कर दी गई। वहीं लिंक मजिस्ट्रेट के समक्ष भानवी के अधिवक्ता ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। राजा भैया ने तलाक याचिका में आरोप लगाया है कि भानवी सिंह ने ससुराल छोड़ दिया है और वापस आने से इनकार कर दिया है। उसने यह भी आरोप लगाया कि उसने उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ झूठे आरोप लगाए जो क्रूरता के बराबर है।

रघुराज प्रताप सिंह ने पत्नी से तलाक के लिए याचिका दायर की है। याचिका 2022 में दायर की गई थी। उसने क्रूरता और परित्याग के आधार पर तलाक मांगा है। रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया की शादी को 28 साल हो गए हैं। करीब एक महीने पहले राजा भैया की पत्नी भानवी ने जोर बाग थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। तब उन्होंने एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह के ऊपर गंभीर आरोप लगाए थे। राजा भैया की पत्नी ने एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोपाल के खिलाफ ईओडब्ल्यू में वित्तीय अनियमितता को लेकर केस दर्ज कराया था। कुंडा विधायक राजा भैया की पत्नी और एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह एक कंपनी साथ में मिलाकर चला रहे थे। भानवी का आरोप है कि अक्षय प्रताप ने उनके फर्जी हस्ताक्षर कर उनकी कंपनी के ज्यादातर शेयर हथिया लिए थे। जिसमें कर्मचारियों पर गड़बड़ी और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। अक्षय प्रताप सिंह राजा भैया के राइटहैंड माने जाते हैं।

मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर भी पूरी दमदारी से उतरेगी भाजपा

पार्टी में बगावत को रोकने के लिए भी रोडमैप तैयार

लोक पहल

लखनऊ। नगर निकाय चुनाव में भाजपा कोई कसर छोड़ना नहीं चाहती है। पार्टी के रणनीतिकारों ने मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर भी पूरी दमदारी से चुनाव लड़ने की रणनीति बनाई है। साथ ही पार्टी नगरीय निकाय चुनाव में सरकार के मंत्री, सांसद और विधायकों के परिजनों को टिकट न देने की रणनीति पर भी काम कर रही है। पार्टी सैद्धांतिक रूप से किसी भी मंत्री, सांसद या विधायक के परिजन को प्रत्याशी नहीं बनाएगी। जहां कहीं चुनाव जीतने के लिए परिजन को प्रत्याशी बनाना अपरिहार्य होगा, उसके बारे में निर्णय प्रदेश कोर कमेटी करेगी।

मुख्यमंत्री आवास पर सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सरकार के मंत्रियों को चुनाव का रोडमैप सौंपा गया। मुख्यमंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने एक मंच और एक स्वर में मंत्रियों को सभी 17 नगर निगम और जिला मुख्यालयों सहित बड़ी नगर पालिका परिषद व नगर पंचायतों में परचम लहराने की जिम्मेदारी सौंपी। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले हो रहे निकाय चुनाव में नगर निगम, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों में पार्टी की जीत महत्वपूर्ण है। ये चुनाव आगामी लोकसभा चुनाव के लिहाज से भी बहुत महत्वपूर्ण हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि जिन नेताओं को सरकार या संगठन में समायोजन का मौका नहीं मिला, उन्हें प्रत्याशी चयन में तरजीह मिलेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव प्रभारी जिलों में जाकर प्रत्याशी चयन से पहले और बाद में सहमति बनाने का प्रयास करें, ताकि पार्टी के कार्यकर्ता बगावत नहीं करें। चुनाव में जहां तक हो बगावत नहीं होनी चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बैठक में कहा कि मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में अध्यक्ष और सभासद के लिए पार्टी चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि उन सीटों पर अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं को प्रत्याशी बनाकर चुनाव लड़ाया जाएगा।

निकाय चुनाव : परिवारवाद के चंगुल से निकलना भाजपा के लिए टेढ़ी खीर

पार्टी के कई नेता व मंत्री परिजनों के लिए मांग रहे हैं टिकट

लोक पहल

लखनऊ। निकाय चुनाव की घोषणा होने के साथ ही मेयर, अध्यक्ष और सदस्य पद के लिए दावेदार दिल्ली से लेकर लखनऊ तक दौड़ लगा रहे है। टिकट को लेकर सबसे ज्यादा घमासान भारतीय जनता पार्टी में दिखाई दे रहा है। टिकट के लिए जहां एक ओर पार्टी का आम कार्यकर्ता बड़े नेताओं की परिक्रमा कर रहा है वहीं दूसरी ओर तमाम मंत्री, विधायक व संगठन से जुड़े नेता अपनी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए अपने परिजनों के लिए टिकट चाह रहे है। हालांकि सरकार और संगठन ने निकाय चुनाव में परिवारवाद को रोकने के लिए मंत्री, सांसद और विधायकों के रिश्तेदारों को टिकट नहीं देने का निर्णय कर लिया है। लेकिन निकाय चुनाव में जीत के मूल मंत्र के साथ मैदान में उतरी भाजपा के लिए परिवारवाद को रोकना आसान नहीं होगा।

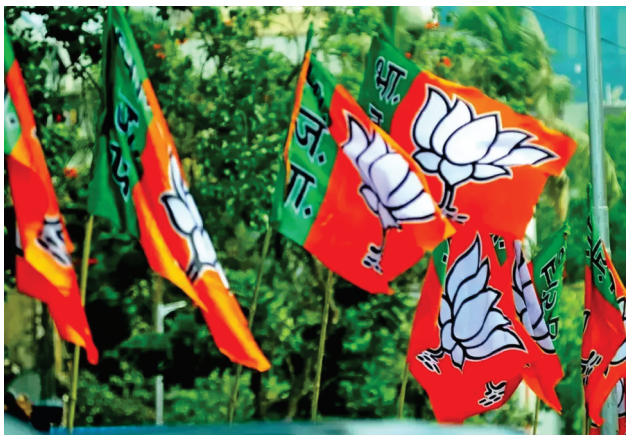

प्रदेश सरकार के मंत्री से लेकर कई सांसद और नेता अपने निकाय चुनाव में पत्नी बच्चों के जरिए राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाना चाहते हैं। राजधानी लखनऊ में महापौर का पद सामान्य वर्ग की महिला के लिए आरक्षित है। लखनऊ उत्तर से विधायक नीरज बोरा अपनी पत्नी बिंदु बोरा के लिए महापौर पद का टिकट मांग रहे हैं। प्रयागराज नगर निगम में महापौर का पद अनारक्षित है। औद्योगिक विकास मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी की पत्नी अभिलाषा नंदी वहां से दूसरी बार महापौर है।

बताया जा रहा है कि नंदी अपनी पत्नी अभिलाषा को तीसरी बार महापौर बनवाने के लिए टिकट की मांग कर रहे हैं।

निवर्तमान महापौर संयुक्ता भाटिया अपनी राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए पुत्रवधू रेशु भाटिया के लिए टिकट की मांग कर रही हैं। महापौर की दौड़ में पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा की पत्नी का नाम भी चर्चा में हैं। पंचायत चुनाव में भी पार्टी ने परिवारवाद को रोकने के लिए मंत्री, विधायक और संगठन से जुड़े लोगों को टिकट न देने का निर्णय लिया था लेकिन कई जगहों पर पार्टी नेताओं के परिजन ने बगावत कर चुनाव में कूद पड़े थे बाद में पार्टी की बगावत को रोकने के लिए पार्टी को मजबूरन उन्हें अपना प्रत्याशी घोषित करना पड़ा। निकाय चुनाव में भी पार्टी को बगावत का डर सता रहा है फिलहाल भाजपा संगठन और पार्टी के वरिष्ठ नेता टिकटों के वितरण को लेकर फूंक–फूंक कदम रख रहे है।

सुन्दरकाण्ड प्रश्नोत्तरी भाग–7
रघुवर विशेषांक

प्र01. **प्रश्न 1 त्रिसरारि, कहकर किसे संबोधित किया गया है।**
(क) श्री राम (ख) श्री लक्ष्मण जी (ग) भगवान शिव

प्र02. **प्रश्न 2 खरारि , कहकर किसे संबोधित किया गया है।**
(क) श्री राम (ख) मारीच (ग) विभीषण

प्र03. **प्रश्न 3 कृपानिकेत, कहकर किसे संबोधित किया गया है।**
(क) श्रीराम (ख) शिव जी (ग) दशरथ जी

प्र04. **प्रश्न 4 सुंदरकांड में अवधपति तथा कोसलपुर राजा, किसे कहा गया है।**
(क) श्रीराम जी (ख) दशरथ जी (ग) भरत जी

प्र05. **हरि, कहकर किसे संबोधित किया गया है।**
(क) श्रीराम जी (ख) दशरथ जी (ग) शिव जी

प्र06. **कृपासिंधु, कहकर किसे संबोधित किया गया है।**
(क) श्रीराम जी (ख) समुद्र को (ग) लक्ष्मण जी

प्र07. **रघुवीर, कहकर किसे संबोधित किया गया है।**
(क) श्रीराम जी (ख) लक्ष्मण जी (ग) भरत जी

प्र08. **सुखकंदा, कहकर किसे संबंधित किया गया है।**
(क) श्रीराम जी (ख) समुद्र (ग) सुग्रीव जी

प्र09. **रघुनाथ, कहकर किसे संबंधित किया गया है।**
(क) श्रीराम जी (ख) दशरथ जी (ग) शिव जी

प्र010. **नरहरि, कहकर किसे संबोधित किया गया है।**
(क) श्रीराम जी (ख) हनुमान जी (ग) जामवंत जी

प्रस्तुति–डा. पद्मजा मिश्रा, एसएस कालेज, शाहजहांपुर

देश के प्रतिष्ठित मीडिया शिक्षण संस्थान आईआईएमसी में प्रवेश प्रक्रिया शुरू, 19 अप्रैल तक करें आवेदन

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) में पांच पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। शैक्षणिक सत्र 2023–24 के लिए आयोजित इस प्रकिया में आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 19 अप्रैल, 2023 है। ऑनलाइन आवेदन पत्र एनटीए की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। आईआईएमसी में पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी कॉमन यूनिवर्सिटीज एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी पीजी) 2023 के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रवेश मिलेगा। अंग्रेजी पत्रकारिता, हिंदी पत्रकारिता, विज्ञापन एवं जनसंपर्क, रेडियो एवं टेलीविजन पत्रकारिता और डिजिटल मीडिया में पीजी डिप्लोमा में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को 'सीयूईटी पीजी' परीक्षा देनी होगी।

आईआईएमसी के प्रवेश प्रभारी प्रो. राकेश गोस्वामी ने बताया कि जिन विद्यार्थियों के पास मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री है, वे आईआईएमसी में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं।

प्रो. गोस्वामी के अनुसार किसी भी प्रकार की समस्या होने पर विद्यार्थी अकादमिक विभाग, भारतीय जन संचार संस्थान में संपर्क कर सकते हैं। उड़िया, मराठी, मलयालम और उर्दू पत्रकारिता में डिप्लोमा कोर्स करने के लिए अलग से परीक्षा का आयोजन आईआईएमसी द्वारा किया जाएगा, जिसके लिए एप्लीकेशन फॉर्म आईआईएमसी की आधिकारिक वेबसाइट पर जल्द ही जारी किए जाएंगे।

एसएस कॉलेज के कॉमर्स विभाग और नोवल अकादमी नेपाल के बीच हुआ एमओयू हस्ताक्षर

एक दूसरे के शैक्षिक संसाधनों का कर सकेंगे उपयोग

लोक पहल

शाहजहांपुर। एसएस कॉलेज के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में भाग लेने नेपाल और ओमान के शिक्षाविद भारत पहुंचे। महाविद्यालय पहुंचने पर लॉ कालेज के प्राचार्य डॉ जेएस ओझा, डॉ कमलेश गौतम, डॉ गौरव सक्सेना, डॉ सचिन खन्ना, डॉ रूपक श्रीवास्तव तथा रवि सिंह ने पुष्प गुच्छ भेंट करके विदेशी अतिथियों का स्वागत किया।

इस मौके पर एसएस कॉलेज के वाणिज्य विभाग और नेपाल की नोबल एकेडमी के मध्य एक समझौता पत्र हस्ताक्षर किया गया। समझौते पत्र के द्वारा दोनों संस्थाओं के बीच यह निश्चित किया गया कि वे शिक्षा तथा संस्कृति के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। समझौते के अनुसार एसएस कॉलेज का वाणिज्य विभाग और नेपाल की नोवल अकादमी संयुक्त रूप से भारत और नेपाल में सेमिनार तथा कार्यशाला का आयोजन, परस्पर शिक्षकों का आदान–प्रदान, दोनों संस्थाओं के छात्रों का एक दुसरे के यहाँ शैक्षिक भ्रमण, शैक्षिक सामग्री एवं सूचनाओं का परस्पर आदान–प्रदान, संयुक्त रूप से छात्र–छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन, सयुंक्त रूप से छात्र–छात्राओं तथा शिक्षकों द्वारा सामाजिक गतिविधियों का आयोजन, एक–दुसरे के शैक्षिक संसाधनों का प्रयोग कर सकेंगे।

समझौता पत्र पर नोवल अकादमी, पोखरा, नेपाल के अध्यक्ष, डॉ विशेश्वर आचार्य तथा कार्यकारी निदेशक डॉ सिया लामिक्षाने एवं एसएस कॉलेज की ओर से प्राचार्य प्रो आरके आजाद और उप–प्राचार्य प्रो अनुराग अग्रवाल ने हस्ताक्षर किये।

विदेशी विद्वानों के दल को डा. बरखा सक्सेना की अगुवाई में मुमुक्षु शिक्षा संकुल की सभी शैक्षिक संस्थाओं का भ्रमण कराया गया। दल सबसे पहले श्री शंकर मुमुक्षु विद्यापीठ पहुंचा जहां प्रधानाचार्य, डॉ संध्या ने अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद दल ने स्वामी धर्मानंद सरस्वती इंटर कॉलेज का भ्रमण किया जहाँ प्रधानाचार्य, डॉ अमीर सिंह यादव और मेजर अनिल मालवीय ने मेहमानों का स्वागत किया। वहां से दल संस्कृत महाविद्यालय और दिव्यधाम का भ्रमण करने पहुंचा जहाँ मुमुक्षु आश्रम के विषय में संस्कृत महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ हरिनाथ झा ने विस्तार से बताया। संस्कृत महाविद्यालय के बाद दल विधि महाविद्यालय घूमता हुआ एसएस कॉलेज पहुंचा जहाँ प्राचार्य प्रो आरके आजाद ने उसका स्वागत किया।

एंटीबायोटिक दवाओं का जरूरत पड़ने पर ही करें इस्तेमाल

जिस तरह से कई एंटीबायोटिक दवाओं का दुरुपयोग हो रहा है, हर छोटी-छोटी समस्या में हम खुद से ही बिना किसी डॉक्टरी सलाह के इन दवाओं का सेवन कर रहे हैं, यह हमारे शरीर में इन दवाओं के प्रति रेजिस्टेंस बनाती जा रही है। यही जारी रहा तो एक समय ऐसा आएगा जब हमें किसी संक्रमण को ठीक करने के लिए एंटीबायोटिक दवाओं की सख्त जरूरत होगी पर उस समय ये दवाएं बिल्कुल बेअसर साबित हो सकती हैं। वह दौर किसी तबाही से कम नहीं होगा। हम साइलेंटली एक गंभीर पेंडेमिक की ओर बढ़ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) कई बार वैश्विक मंचों से यह चिंता जता चुका है। इसलिए हमेशा किसी विशेषज्ञ डॉक्टर की सलाह से ही दवा लें। बिना प्रिस्क्रिप्शन ओवर-द-काउंटर, इंटरनेट-यूट्यूब से देखकर न तो खुद डॉक्टर बनें, न ही खुद से दवा लेना शुरू करें। दवाएं जितने फायदे के लिए बनी हैं, दुरुपयोग की स्थिति में इससे कहीं ज्यादा नुकसानदायक भी हो सकती हैं। संक्रामक रोगों के प्रमुख डॉ. आरोन ग्लैट कहते हैं, एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस आधुनिक चिकित्सा की प्रमुख चिंताओं में से एक है। अगर समय रहते इसपर ध्यान नहीं दिया गया तो इसमें कोई दो राय नहीं है कि हमें आने वाले दशकों में जानलेवा तबाही से दो-चार होना पड़े।

दवाओं का रेजिस्टेंस है जानलेवा

जब रोगी के शरीर में क्लेबसिएला नामक घातक बैक्टीरिया हो जाता है तो एंटीबायोटिक दवाइयों का भी आश्चर्यजनक रूप से कोई असर ही नहीं होता है क्योंकि यह बैक्टीरिया अधिकांश उपलब्ध एंटीबायोटिक दवाओं के लिए प्रतिरोधी है। इसलिए रोगी पर किसी भी प्रकार की दवाई का कोई असर नहीं होता है और इससे उस रोगी की मौत भी हो सकती है। रिपोर्ट्स बताते हैं कि दवाओं के प्रतिरोधी बैक्टीरिया का अनुपात बढ़ता जा रहा है। भारत में कम से कम सात लाख लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं। दुनियाभर में 2050 तक दस मिलियन से अधिक लोगों के मौत की आशंका जताई गई है।

क्या होता है दवाओं का रेजिस्टेंस

दवाओं, विशेषकर एंटीबायोटिस-एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस का मतलब यह है कि जिन बैक्टीरिया-कवक जैसे रोगाणुओं को मारने के लिए उसे डिजाइन किया गया है, वह रोगाणु उसी दवा के साथ अस्त हो जाएं। ऐसा होने पर अगर आपको कोई संक्रमण होता है और इसके लिए एंटीबायोटिक दवाएं दी जाती हैं तो उससे रोगाणु मरते नहीं हैं बल्कि और बढ़ते रहते हैं। प्रतिरोधी संक्रमण का इलाज मुश्किल और कभी-कभी असंभव हो सकता है। एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस विशेष रूप से किसी बैक्टीरिया के प्रतिरोध को संदर्भित करता है। एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस कई प्रकार के बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी का प्रतिरोध माना जाता है।

क्यों हो रही है ऐसी समस्या?

सेंटर फार डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) विशेषज्ञ कहते हैं, वैश्विक स्तर पर एंटीमाइक्रोबियल्स के अत्यधिक और अनुचित उपयोग के कारण प्रतिरोध पैदा हो गया है। सीडीसी का अनुमान है कि क्लीनिकों और आपातकालीन विभागों में जितने लोगों को एंटीबायोटिस दिए जाते हैं उनमें से 28 फीसदी की इसकी आवश्यकता नहीं होती है। इसके अलावा लोगों का खुद से या फिर इंटरनेट से देखकर दवाओं का सेवन करना इस समस्या को बढ़ा रहा है। हर शरीर की बनावट और आवश्यकताएं अलग हैं, सभी के लिए एक ही तरह की दवाएं काम करें यह जरूरी नहीं है।

जहां जरूरत नहीं वहां भी हो रहा है इस्तेमाल

हमें ध्यान रखना होगा कि एंटीबायोटिक्स सिर्फ बैक्टीरियल संक्रमण के लिए हैं वायरल नहीं। सर्दी-जुकाम में भी कई लोग खुद से एंटीबायोटिस लेने लगते हैं जबकि यह वायरल संक्रमण के कारण होता है और इसपर इन दवाओं का कोई असर नहीं है। इंटरनेट-यूट्यूब देखकर डॉक्टर बनना, परिवार में किसी को अगर कोई दवा फायदा की है, वही खुद से भी लेना शुरू कर देना ये सब बहुत गंभीर स्थिति है। सिर्फ एंटीबायोटिस ही नहीं कई और भी दवाओं के भी रेजिस्टेंस बनते मरीजों में देखे जा रहे हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

अपने ऊपर लग रहे इल्जाम पर करन जौहर ने शायराना अंदाज में दिया जवाब

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के फेमस डायरेटर करण जौहर आए दिन किसी न किसी विवाद से जुड़े रहते हैं। जब से प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड के घिनौने सच को उजागर किया है, तब करण और ज्यादा ट्रोल हो रहे हैं। अपने ऊपर लग रहे इन इल्जामों का अब करण ने शायराना अंदाज में जवाब दिया है। करण जौहर ने देर रात इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट शेयर किया। करण ने लिखा-लगा लो इल्जाम... हम झुकने वालों में से नहीं, झूठ का बन जाओ गुलाम, हम बोलने वालों में से नहीं, जितना नीचा दिखाओगे, जितना आरोप लगाओगे, हम गिरने वालों में से नहीं, हमारा कर्म हमारी विजय है, आप उठा लो तलवार, हम मरने वालों में से नहीं।

पुराने वीडियो में करण जौहर ने इस बात को माना था कि वह अनुष्का शर्मा का करियर तबाह करना चाहते थे। करण वीडियो में बताया कि रब ने बना दी जोड़ी में जब आदित्य चोपड़ा एट्रेस को कास्ट करना चाहते थे तो करण जौहर ने मना किया था। करण ने कहा था कि, तुम पागल हो जो अपनी फिल्म में इसे साइन कर रहे हो। इसके बाद करण को ये सब सोचने के लिए अफसोस भी था।

प्रियंका चोपड़ा ने बिना किसी का नाम लिए बॉलीवुड को लेकर कई बातें कहीं थी। उन्होंने कहा था कि बॉलीवुड में बहुत पॉलिटिस होती है। एक व था जब बॉलीवुड में उन्हें किनारा किया गया था और इन सब से तंग आकर वह हॉलीवुड में काम करने चली गई थी।

उर्फी जावेद का फिर छलका दर्द, बोलीं-

पापा बेहोश होने तक मुझे पीटते रहते थे

उर्फी जावेद जान पहचाना नाम बन चुकी हैं। अपने पैशन को उर्फी ने अपना करियर बनाया और आज वह दुनियाभर में फेमस हैं। उर्फी बातों और कपड़ों से काफी बोल्ड हैं। हालांकि, वह हमेशा से ऐसी नहीं थीं। उनका बचपन काफी बुरी यादों से भरा है। पापा के बुरे बर्ताव के बारे में वह कई बार बात कर चुकी हैं। एक बार फिर उन्होंने बताया है कि उन्होंने कैसे अपने पिता के टॉर्चर से लेकर करियर बनाने तक का मुश्किल सफर तय किया है।

हाल ही में, उर्फी जावेद ने मीडिया के साथ बातचीत की। एट्रेस ने यहां अपनी दर्दभरी कहानी बयां की है। उर्फी ने बताया कि कैसे बचपन से ही उनको फैशन में दिलचस्पी थी। उनके पिता हर रोज टॉर्चर करते थे। एट्रेस को सुसाइड करने के ाल आने लगे थे। उर्फी ने कहा, मैं लखनऊ में क्रॉप टॉप के ऊपर जैकेट पहनती थी, वहां लड़कियों को इस तरह कपड़े पहनने की परमीशन नहीं थी। पापा अूसिव थे, वह मुझे तब तक मारते थे, जब तक कि मैं होश नहीं खो देती थी।

मुंबई में अपना घर खरीदेंगी उर्फी

उर्फी जावेद ने बताया कि वह परेशान होकर 17 साल की उम्र में घर से भागकर दिल्ली आ गई थीं। एट्रेस ने कहा, मैं बिना पैसे ही घर से भाग गई। मैं ट्यूशन लेती थी और कॉल सेंटर में जॉब भी करती थी। इस बीच पिता ने हमारी फैमिली को छोड़ दिया था। मैं अपनी मां से मिली। मैं मुंबई आ गई और डेली सोप में छोटे-मोटे रोल किए। फिर मुझे बिग बॉस में आने का मौका मिला और मुझे पहचान मिली। मुझे हमेशा से फैशन पसंद था। फिर मैंने इसे चुना और मैं ट्रोल होने लगी। अब बस मुझे अपना घर खरीदना है।

बॉलीवुड | मसाला

शर्ट उतार हसीनाओं संग ठुमके लगाने पर ट्रोल हुए अक्षय कुमार

अक्षय कुमार के किस्मत के सितारे इन दिनों गर्दिश में चल रहे हैं। एटर की बैक-टू-बैक फिल्में लॉप हो रही हैं। वहीं, अब अक्षय अपने एक वीडियो को लेकर ट्रोल्स के निशाने पर आ गए हैं, जिसमें उनकी एक हरकत पर नेटिजन्स उन्हें जमकर लताड़ लगाते नजर आ रहे हैं।

अक्षय कुमार का एक वीडियो इंटरनेट जगत में ताबड़तोड़ वायरल हो रहा है। इस लिप में एटर, सोनम बाजवा और मौनी रॉय के साथ स्टेज पर ठुमके लगाते देखे जा रहे हैं। यूं तो यह मस्ती भरा माहौल सितारों के फैंस को काफी पसंद आ रहा है, लेकिन नेटिजन्स को अक्षय का यह अंदाज बिल्कुल रास नहीं आया है।

दरअसल, वीडियो में एटर शर्टलेस होकर थिरकते देखे जा रहे हैं, जिसपर ट्रोल्स का गुस्सा फूट पड़ा है। बताते चलें कि यह वायरल वीडियो द एंटरटेनर्स टूर 2023 का है, जिसमें अक्षय के साथ-साथ मौनी रॉय, सोनम बाजवा, नोरा फतेही और दिशा पटानी भी हिस्सा लेने पहुंची हैं। वीडियो में शर्टलेस अक्षय टूर की खूबसूरत हसीनाओं के साथ अपनी कातिलाना चाल दिखा रहे हैं, लेकिन ऐसा करने पर ट्रोल्स ने एटर को अश्लील का टैग दे दिया है। राउडी राठौर के वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने लिखा है, 59 साल के शर्टलेस अंकल को 23-24 साल की लड़कियों के साथ डांस करते और सिर्फ एंटरटेनिंग बने रहने के लिए क्रीप स्टेप्स करते देखना कितना अजीब लगता है।

अजब-गजब | ऑस्ट्रेलिया में मौजूद है पाताल लोक

जमीन के अंदर बने हैं घर और बस्ती

ऐसा कहा जाता है कि धरती के नीचे पाताल लोक बसा है। अगर ऐसा है तो वहां कौन रहते हैं, हममें से कोई नहीं जानता। लेकिन आज हम आपको धरती पर मौजूद असल पाताल लोक के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर न सिर्फ लोग रहते हैं, बल्कि वहां होटल भी मौजूद हैं। इन होटल्स में दुनियाभर से आने वाले टूरिस्ट रुक सकते हैं। या आप जानना चाहते हैं कि कहां है ये पाताल लोक? कैसे जा सकते हैं यहां?

दरअसल, ये ऑस्ट्रेलिया में स्थित है, जिसका नाम कूबर पेडी है। जी हां, इसे धरती का पाताललोक कहा जाता है। इस जगह पर आपको ज्यादातर घर जमीन के अंदर मिलेंगे। जमीन के ऊपर बने घरों की तुलना में अंडरग्राउंड घरों की सां काफी ज्यादा है। अब आप सोच रहे होंगे कि जमीन की खुदाई कर अंदर घर बनाने का झंझट लोगों ने यों लिया? दरअसल, इस जगह पर आपल की कई खदानें है। इन खदानों के लिए ही जमीन के नीचे खुदाई की जाती थी। खुदाई करते हुए जब तब ये इन खदानों में ही रहने लगते थे। इसी तरह धीरे-धीरे जमीन के नीचे कई घर बन गए और अब तो ये उनका परमानेंट एड्रेस हो गया है। इस गांव में ना सिर्फ घर, बल्कि दुकानें, चर्च, मॉल से लेकर होटल्स भी सब के सब अंडरग्राउंड हैं। यानी अगर आप यहां कोई चीज डिलीवर करवाएंगे,

तो आपको पाताललोक का एड्रेस लिखना पड़ेगा।

अगर आपको ऐसा लग रहा है कि चूंकि ये गांव अंडरग्राउंड है, तो यहां सुविधाओं की कमी होगी, तो आप बिलकुल गलत हैं। इस गांव में आपको सारी सुविधाएं मिल जाएंगी। अंदर सारे घर, होटल्स वेल फर्निश्ड हैं। इस सो कॉल्ड पाताललोक में करीब पंद्रह सौ घर हैं। ये जगह दुनिया की नजरों से छिपी नहीं है। इस जगह पर अभी तक कई फिल्मों की भी शूटिंग हो चुकी है। इस अंडरग्राउंड गांव को बसाने का एक खास लॉजिक है। दरअसल, ये एरिया रेगिस्तान है। ऐसे में यहां भीषण गर्मी पड़ती है। लोगों के लिए यहां रहना काफी मुश्किल हो जाता था। इस वजह से घरों को जमीन के अंदर बनाया जाने लगा, ताकि वहां लोगों को ठंडक महसूस हो। इस तरह धीरे-धीरे एक से दो घर और फिर तो पूरा गांव ही अंडरग्राउंड हो गया।

ये है दुनिया का सबसे छोटे कुत्ता, इतना स्लिम की जेब में भी आ जाए, वजन सिर्फ आधा किलो

कुछ दिनों पहले ही आपने दुनिया के सबसे बुजुर्ग कुत्ते के बारे में जाना था। बोबी नाम के इस डॉग की उम्र 30 साल 266 दिन तब बताई गई थी। आज हम आपको दुनिया के सबसे छोटे कु के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। यह इतना छोटा है कि आप इसके अपनी जेब या हैंडबैग में भी लेकर चल सकते हैं। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के मुताबिक, पर्ल नाम का यह कुत्ता चिहुआहुआ प्रजाति का है। 1 सितंबर, 2020 को पैदा हुए पर्ल की ऊंचाई महज 9.14 सेंटीमीटर (3.59 इंच) और लंबाई 12.7 सेंटीमीटर (5.0 इंच) है। इसका मतलब है कि वह एक पॉप्सिकल से छोटी है और लगभग एक डॉलर के नोट की लंबाई के बराबर है। अभी इसका वजन सिर्फ 553 ग्राम (1.22 पाउंड) है। यह जानना और भी दिलचस्प है कि पर्ल चिहुआहुआ डॉग मिरेकल मिली की रिश्तेदार है, जिसने इससे पहले दुनिया का सबसे छोटा कु होने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया था। मिली की तरह पर्ल भी जन्म के समय महज 28 ग्राम की थी। पर्ल की मालिक वैनेसा सेमलर ने हाल ही में एक इतालवी टीवी शो लो शो देई रिकॉर्ड पर इसे दुनिया के सामने पेश किया। तब सेमलर ने कहा, हम बेहद खुशनसीब हैं कि हमारे पास दुनिया का सबसे छोटा डॉगी है। इस खबर को शेयर करने का हमारे पास अनूठा अवसर है। पर्ल के रिकॉर्ड को सत्यापित करने के लिए, ऑरलैंडो के क्रिस्टल क्रीक एनिमल हॉस्पिटल में अलग-अलग अंतराल पर उसकी ऊंचाई को तीन बार मापा गया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार, पहला माप उसके सामने के पैर के आधार से एक ऊर्ध्वाधर रेखा में कंधों के ऊपर तक लिया गया था। जो चीज पर्ल को खास बनाती है, वह है उसका शांत स्वभाव, जो अन्य चिहुआहुआ से अलग है। अन्य चिहुआहुआ प्रजाति के कुत्ते आमतौर पर चंचल होते हैं।

लोक पहल, राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक, मुमुक्षु आश्रम, शाहजहॉपुर, प्रधान संपादक अरूण पाराशरी

लोक पहल हिन्दी साप्ताहिक स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. अवनीश कुमार मिश्रा द्वारा शाहजहॉपुर प्रिन्टर्स जज साहब वाली गली, तारीन बहादुरगंज जिला शाहजहॉपुर 242001 से मुद्रित व 160 रोशनगंज लक्ष्मी राईस मिल, शाहजहॉपुर 242001 उ0प्र से प्रकाशित। संपादक-सुयश सिन्हा मो. 9935740205 E-mail : lokpahalspn@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र शाहजहॉपुर होगा।